>

Title: Need to provide food at affordable price in view of rising food price.

श्री अर्जुन राय (सीतामढ़ी): सभापति जी, कुछ सप्ताह पहले कांग्रेस पार्टी के साथियों ने बयान जारी किया कि देश में आज भी पांच रुपए में एक व्यक्ति भरपेट भोजन कर सकता है। देश के विभिन्न समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, राजनैतिक दलों के सदस्यों की प्रतिक्रिया इस पर आई। कई स्वतंत्र पत्रकारों और लेखकों ने इस पर लेख भी लिखे। अंत में उन लोगों को बयान को घुमा-फिराकर वापस लेना पड़ा। आज की कमरतोड़ महंगाई में पांच रुपए में भरपेट भोजन जैसी बात करना चौंकाने वाली और अविश्वसनीय लगती है। लेकिन यह बयान अगर सरकार गम्भीरता से लेती है तो यह वरदान भी साबित हो सकता है। एस.एस.एस.ओ. की हाल ही में रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, जिसके मुताबिक शहरी क्षेत्र में 23 रुपए और ग्रामीण क्षेत्र में 17 रुपए खर्च करके लोग जीवन बसर करने को विवश हैं। ऐसी स्थिति में यह अनिवार्य रूप से आवश्यक है कि इन 23 रुपए और 17 रुपए खर्च करके अपना जीवन बसर जो लोग कर रहे हैं, उनके लिए पांच रुपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था सरकार कराए। इसके लिए जरूरी है कि सरकार को अपनी खाद्य नीति में परिवर्तन करना चाहिए। आज जो खाद्य वस्तुओं का उत्पादक है, उसे अधिक मूल्य देने के लिए समर्थन मूल्य निर्धारित किया जाता है। इससे न तो किसान को और न ही उपभोक्ता को लाभ मिलता है, क्योंकि जब मूल्य अधिक मिलता है तो लागत भी उसी रेशो में बढ़ जाती है। आज देश का 80 प्रतिशत किसान अपने उत्पाद को बेचने के लिए नहीं, अपितु अपने उपयोग के लिए पैदा करता है। इसलिए ऐसी खाद्य नीति बनाएं, जिससे कृषि लाभकारी हो और सरकार को अचानक सूखे की परिस्थिति निर्माण होने पर भी खाद्य वस्तुओं की कमी न हो। इसलिए इसे एक अवसर के रूप में लेना चाहिए, जिसमें ऐसा प्रावधान किया जाए कि जो लोग 23 रुपए और 17 रुपए खर्च करके जीवन बसर कर रहे हैं, उनके लिए भरपेट भोजन की व्यवस्था की जा सके।